सवैया एवं कवित्त

देव

प्रदत्त कार्य-1: व्याकरण

विषय: मानवीकरण अलंकार के उदाहरण

उद्देश्य:

- मानवीकरण अलंकार के विषय में जानकारी देना।
- मानवीकरण अलंकार के प्रयोग में प्रवीणता लाना।
- साहित्यिक अभिरूचि जगाना।
- खोजपरक शैली का विकास करना।

निर्धारित समय: एक कालांश

प्रक्रिया:

1. सर्वप्रथम अध्यापक पूर्व निर्धारित कालांश में विद्यार्थियों को मानवीकरण अलंकार की जानकारी देगा।
2. यह व्यक्तिगत कार्य होगा।
3. छात्र कविता में प्रयुक्त मानवीकरण अलंकार छाँटेंगे।
4. इस प्रक्रिया में एक कालांश का समय लगेगा।
5. मूल्यांकन के आधार बिन्दु पहले ही श्यामपट्ट पर लिख दिए जायेंगे।

मूल्यांकन के आधार बिन्दु:

- सही उदाहरण

टिप्पणी:

- अध्यापक स्वतंत्र रूप से किसी अन्य मूल्यांकन बिन्दु को आधार मानकर अंक विभाजन कर सकते हैं।

प्रतिपुष्टि:

- जिन विद्यार्थियों का कार्य अच्छा है, उनकी प्रशंसा की जाए।

प्रदत्त कार्य-2 : परिचर्चा एवं प्रस्तुतीकरण।

विषय : ऋतुएं

उद्देश्य :

- रचनात्मक अभिव्यक्ति व मानसिक योग्यता का विकास।
- प्रकृति के प्रति जागरुकता और ऋतुओं में बदलाव की जानकारी
- विभिन्न ऋतुओं का मानव जीवन पर प्रभाव।
- मौलिक कल्पना शक्ति को विकसित करना।
- ग्लोबल वार्मिंग का ऋतुओं पर प्रभाव।

निर्धारित समय : एक कालांश

प्रक्रिया :

1. अध्यापक कक्षा को चार समूहों में विभक्त करेंगे और प्रत्येक समूह को सर्दी, गर्मी, वर्षा और वसन्त किसी एक ऋतु पर परिचर्चा करने के लिए कहेंगे और उसे सुनेंगे। इसमें 10–15 मिनट लगेंगे।
2. गतिविधि प्रारंभ करने से पूर्व आवश्यक निर्देश छात्रों को दिए जाएंगे।
3. प्रत्येक समूह ऋतु से सम्बन्धित कविता लिखेगा और चित्र बनाएगा।
4. समूह का नेता कविता पढ़ेगा और अन्य छात्रों को चित्र दिखाएगा।
5. छात्र विशेष ऋतु में होने वाली फसल, फल, सब्जी और फूलों की सूची बनाएंगे।

मूल्यांकन के आधार बिन्दु :

- समूह द्वारा परिचर्चा
- कविता रचना
- चित्र रचना
- प्रस्तुतीकरण

टिप्पणी :

- किसी अन्य मूल्यांकन बिन्दु को आधार मानकर अध्यापक स्वतंत्र रूप से मूल्यांकन कर सकता है।
- यह प्रक्रिया एक कालांश में संपन्न नहीं हो पाएगी अत: दो कालांशों को मिलाकर कराई जाएगी।

प्रतिपुष्टि :

- श्रेष्ठ कविता को श्यामपट्ट पर लिखा जाएगा।

- शब्द चयन और मौलिक अभिव्यक्ति के लिए छात्रों की प्रशंसा की जाए।
- जो छात्र गतिविधि में क्रियाशील नहीं हैं उन्हें प्रोत्साहन दिया जाए।

प्रदत्त कार्य-3 : लेख लेखन

विषय : 'ग्लोबल वार्मिंग' के कारण होने वाले ऋतु परिवर्तन।

उद्देश्य :

- ग्लोबल वार्मिंग और उसके प्रभाव की जानकारी देना।
- प्रकृति सरंक्षण की प्रेरणा देना।
- वैज्ञानिक चिंतन का विकास करना।
- वाचन एवं लेखन कौशल का विकास करना।

निर्धारित समय : दो कालांश

प्रक्रिया :

1. सर्वप्रथम अध्यापक ग्लोबल वार्मिंग के विषय में जानकारी देगा।
2. कक्षा में इस विषय पर चर्चा की जाएगी।
3. छात्र विभिन्न स्रोतों पर-पत्रिकाएँ, इंटरनेट आदि से जानकारी एकत्र करेंगे।
4. निर्धारित कालखंड में छात्र इस विषय पर लेख लिखेंगे और कक्षा के समक्ष पढ़कर सुनाएँगे।
5. अध्यापक मूल्यांकन के आधार व अंक प्रारंभ में ही श्यामपट्ट पर लिख देंगे।

मूल्यांकन के आधार बिन्दु :

- विषय संबद्धता
- ताकिर्कता
- अभिव्यक्ति क्षमता

टिप्पणी :

- किसी अन्य मूल्यांकन बिन्दु को आधार मानकर अध्यापक स्वतंत्र रूप से मूल्यांकन कर सकते हैं।

प्रतिपुष्टि :

- जो छात्र गतिविधि में क्रियाशील नहीं हैं उन्हे प्रोत्साहन दिया जाए।

प्रदत्त कार्य-4 : वाद विवाद

विषय : आज का युग टोने टोटकों से मुक्त है।

उद्देश्य :

- विचार विश्लेषण की क्षमता विकसित करना।
- तार्किकता एवं वैज्ञानिक चिंतन का विकास करना।
- धैर्यपूर्वक विपक्षी के तर्कों को सुनना और समझना।
- विद्यार्थियों के श्रवण व वाचन कौशलों का विकास करना।

निर्धारित समय : एक कालांश

प्रक्रिया :

1. सर्वप्रथम अध्यापक कक्षा में वाद विवाद के विषय में पक्ष और विपक्ष को कक्षा में स्पष्ट कर देगा।
2. पूरी कक्षा को दो समूहों में बांट दिया जाए।
3. फिर उन्हें सोचने के लिए 5-10 मिनट का समय दिया जाए।
4. तत्पश्चात् विद्यार्थियों का पक्ष वाला समूह अपनी बात कहेगा।
5. विपक्ष वाले अपने तर्क रखेंगे। इस प्रकार यह प्रक्रिया 15 मिनट तक चलाई जाए।
6. सबसे अच्छे वक्ता और तर्क सम्मत बात कहने वाले विद्यार्थी से वाद विवाद पर टिप्पणी कर उसे समाप्त किया जाए।
7. पक्ष विपक्ष के ठोस तर्क व प्रमाण श्यामपट्ट पर बिंदु रूप में लिखे जा सकते हैं।
8. सभी विद्यार्थियों की सहभागिता अनिवार्य हो।
9. मूल्यांकन के आधार अध्यापक श्यामपट्ट पर पहले ही लिख देगा।

मूल्यांकन के आधार बिन्दु :

- विषय से संबद्धता
- अकाट्य तर्क व प्रमाण
- आत्मविश्वास व प्रभाव

टिप्पणी :

- अध्यापक मूल्यांकन आधार निर्धारित करने के लिए स्वतंत्र है।

प्रतिपुष्टि :

- ठोस तर्क एवं प्रभावशाली प्रस्तुति की सराहना की जाए।
- अन्य विद्यार्थियों को खुलकर अपनी बात कहने के लिए प्रेरित किया जाए।

प्रदत्त कार्य-5 : वर्ग पहेली (व्याकरण)

विषय : पर्यायवाची शब्दों की वर्ग पहेली।

उद्देश्य :

- खोजपरक प्रवृत्ति को उभारना।
- नए नए शब्दों से परिचित कराना।
- पर्याय शब्द भंडार बढ़ाना।
- एकाग्रता की प्रवृत्ति का विकास।

निर्धारित समय : एक कालांश

प्रक्रिया :

1. यह कार्य व्यक्तिगत रूप से कराया जाएगा।
2. सर्वप्रथम शिक्षक विषय की जानकारी देते हुए पाठ से चयनित शब्द तथा वर्ग पहेली श्यामपट्ट पर लिख देंगे तथा दी गई वर्ग पहेली से प्रत्येक शब्द के लिए तीन तीन पर्यायवाची शब्द ढूंढने के लिए निर्देश देंगे।
3. वर्ग पहेली से शब्द ढूँढकर छात्र उत्तर पुस्तिका में लिखेंगे।
4. शिक्षक सभी के लिखित प्रपत्र एकत्र कर लेंगे, चाहें तो छात्रों में वितरित करके भी मूल्यांकन करा सकते हैं (ध्यान रहे पेपर दूसरे छात्रों का ही होना चाहिए स्वयं का नहीं)।
5. इस प्रक्रिया के लिए 20-25 मिनट का समय दिया जाएगा।
6. मूल्यांकन के आधार अध्यापक श्यामपट्ट पर लिख दें।

मूल्यांकन के आधार बिन्दु :

- सही होने पर

टिप्पणी :

- मूल्यांकन के आधार शिक्षक स्वयं निश्चित कर सकते हैं।

कार्य प्रपत्र

शब्द – पट, दीपक, जग, पल्लव, सुमन, पवन, मदन, महीप, उदधि, आरसी

वर्ग पहेली

व	स	न	का	म	दे	व	सं	पद	पु
स्	मी	दी	म	क	म	ल	सा	र	ष्
त्र	र	प	र्ण	अ	म्	ब	र	त	प
सा	ग	र	आ	फू	कु	सु	म	द	र
ब	दि	या	द	ल	क	न्	द	र्प	ब
ह	वा	प्र	र	ति	ज	ग	ती	ण	त
न	यु	जा	चि	रा	ग	म	आ	म	सि
प्र	भ	प	ना	पा	त	हा	ई	ख	न्
भू	प	ति	र	त	शी	रा	ना	सु	धु
र	ति	प	ति	ल	शा	ज	ल	धि	क

प्रतिपुष्टि :

- जिन विद्यार्थियों ने पूरे पर्यायवाची ढूँढ कर लिखें हो उनकी सराहना की जाए।
- श्यामपट्ट पर पर्यायवाची लिख दिए जाएँ।
- जो छात्र यह कार्य नहीं कर पाएँ, उनकी अन्य विद्यार्थियों की सहायता से मदद की जाए।
- शिक्षक की सुविधा हेतु पर्यायवाची शब्दों की सूची दी जा रही है –

पट – वस्त्र, वसन, अम्बर

दीपक – दीप, दिया, चिराग

जग – संसार, जगत, जगती

पल्लव – पर्ण, पात, दल

सुमन – कुसुम, पुष्प, फूल

पवन – वायु, समीर, हवा

महीप – प्रजापति, भूपति, महाराज

मदन – कामदेव, रतिपति, कन्दर्प

उदधि – सागर, जलधि, सिन्धु

आरसी – आईना, शीशा, दर्पण